प्रतिदर्श परीक्षा प्रश्न–पत्र अंक योजना (2023–24)

विषय – हिन्दी (आधार)

कक्षा – बारहवीं

विषय कोड : 502 | **प्रश्न–पत्र CODE – B**

निर्धारित समय : 3 घण्टे | **कुल अंक : 80**

सामान्य निर्देश :–

1 अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।

2 वर्णनात्माक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं बल्कि सुझाावात्मक एवं सांकेतिक हैं।

3 यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिन्दुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दें , तो उन्हें अंक दिए जाएँ।

4 मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्यानुसार नहीं , बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।

प्रश्न संख्या	प्रश्न उपभाग संख्या	उत्तर संकेत/मूल्य बिन्दु	अंक विभाजन
1	(i)	(ख) समाज से अलग रहना	1
	(ii)	(ग) सभी का जीवन और अधिक कठिन हो जाएगा	1
	(iii)	(ग) धर्म को मनुष्य की सेवा के केंद्र में रखना	1
	(iv)	(घ) उपरोक्त सभी	1
	(v)	(ख) भारत की अनेकता में एकता की विशेषता को बनाए रखना	1
2	(i)	(घ) अपनों से बिछुड़ने की विवशता	1
	(ii)	(ग) अपने अकेलेपन की चिंता	1
	(iii)	(ख) माँ की आँखों से कभी भी आँसू गिर सकते हैं।	1
	(iv)	(ग) शहरी परिवेश में माँ को भूल जाना	1
	(v)	(क) समय की गति को	1
		अथवा	

	(i) (ii) (iii) (iv) (v)	(ख) संध्याकाल (ग) बादलों से घिरे आसमान से संध्या रूपी परी जैसी नायिका धरती पर उतर रही है। (क) दीर्घ स्वर संधि (ख) वातावरण शांत है (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।	1 1 1 1 1
3	(i) (ii) (iii) (iv) (v)	(ग) परिवार से बिछुड़ने के कारण (ख) संवेदनहीनता (ग) कुंभकर्ण ने रावण को (घ) हलकी – हलकी (घ) 1– (iii) , 2–(i) , 3– (ii)	**1** **1** **1** **1** **1**
4	**(i)** **(ii)** **(iii)** **(iv)** **(v)**	(ख) भक्तिन को ससुराल में बहुत प्यार मिला। (ग) उपरोक्त दोनों (ग) लेखक की जीजी का (ख) अनासक्त योगी की भाँति (क) 1– (iii) , 2–(i) , 3– (ii)	1 1 1 1 1
5	**(i)** **(ii)** **(iii)** **(iv)** **(v)**	(ख) स्कूटर (ग) अपने से कम उम्र के बच्चों के साथ बैठने की मजबूरी के कारण लेखक का मन खट्टा होना। (घ) (क) और (ग) दोनों (क) पाठशाला जाने (घ) कथन (A) सही है और कारण (R) भी उसकी सही व्याख्या है।	**1** **1** **1** **1** **1**
6	**(i)** **(ii)** **(iii)** **(iv)** **(v)**	(क) तारतम्यता (घ) रन आउट (ग) स्वास्थ्य (ख) 1– (iv) , 2–(i) , 3 –(ii) , 4–(iii) (घ) लेखक विशेष को	**1** **1** **1** **1** **1**

<table>
<tr><td>7</td><td>(i)
(ii)
(iii)
(iv)
(v)</td><td>(ग) निर्गुण ,मनोरम , दुश्शासन
(ख) 1– (ii) , 2–(iii) , 3 –(iv) , 4 –(i)
(क) अव्ययीभाव
(ख) वाक्य–प्रयोग संबंधी दोष
(घ) उसने अपनी प्रतिज्ञा तोड़ दी।</td><td>1
1
1
1
1</td></tr>
<tr><td>8</td><td>(i)
(ii)
(iii)
(iv)
(v)</td><td>(ख) आध्यात्मिकता
(ग) इनका जन्म 1985 में हुआ।
(घ) वैदिक काल से
(क) 1 (ii) , 2(iii) , 3 (i)
(ग) ईसा मसीहा</td><td>1
1
1
1
1</td></tr>
<tr><td></td><td></td><td>खण्ड – ब
वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर</td><td></td></tr>
<tr><td>9</td><td>

(i)
(ii)
(iii)
(iv)
(v)</td><td>प्रसंग व संदर्भ – कवि– उमाशंकर जोशी , कविता– छोटा मेरा खेत
व्याख्या – कविता का आनंद शाश्वत होता है। अनंतकाल तक कविता में साहित्यिक रसानुभूति प्राप्त की जा सकती है।
काव्य–सौन्दर्य – प्रतीकात्मक शैली , अनुप्रास व पदमैत्री अलंकार, खड़ी बोली व मुक्तक छंद आदि।
अथवा
कवि – आलोक धन्वा , कविता – पतंग
जब वे छतों के खतरनाक किनारों से गिरकर बच जाते हैं।
पृथ्वी घूमती हुई बच्चों के बेचैन पैरों के पास आ जाती है।
पुनः उत्साह के साथ सूरज का सामना करने को तैयार हो जाना।
बच्चों के पैरों में गतिशीलता पैदा होना। बच्चे पतंग उड़ाते समय मानो सारी पृथ्वी को नाप लेना चाहते हैं।</td><td>1
3
1

1
1
1
1
1</td></tr>
<tr><td>10</td><td></td><td>प्रसंग व संदर्भ – लेखक – जैनेन्द्र कुमार ,
पाठ – बाजार दर्शन
व्याख्या – बाजार के प्रति भगत जी का न तो कोई लगाव था और न ही अलगाव। वे केवल आवश्यकता की वस्तुएं ही खरीदने जाते हैं।
विशष – वर्णनात्मक शैली, वाक्य विन्यास सटीक, साहित्यिक हिन्दी भाषा।</td><td>1
3
1</td></tr>
</table>

		अथवा	
	(i) (ii) (iii) (iv) (v)	ऊपर की ओर टिके रहना अर्थात अध्यात्म की ओर टिके रहना जमाने का रुख न पहचानने वाले पुराने नेताओं को ,नए नेताओं से बुढ़ापा और मृत्यु बुढ़ापा इस जगतृ में जो एक बार खिलता है, तो उसका मुरझााना निश्चित है। उसी प्रकार जो जलता है, उसका बुझना भी निश्चित है।	1 1 1 1 1
11	(क) और (ख) (ग) (घ)	• आरम्भ • विषय वस्तु • प्रस्तुति • भाषा विद्यार्थियों के दिए गए उत्तरानुसार अपने विवके से मूल्यांकन करें प्रस्तुत चित्र मंदिर का है। मंदिर एक ऐसा स्थान हैए जहाँ व्यक्ति श्रद्धाभाव से जाता है और अपने इष्टदेव की पूजा करके मानसिक शांति पाता है। अतः प्रातः काल सभी लोग मंदिर जाते हैं। इस चित्र में एक महिला हाथ में पूजा की थाली लिए मंदिर जा रही है। हिंदू धर्म में वृक्ष की पूजा का विधान है इसलिए प्रत्येक मंदिर के बाहर पीपल या केला का पेड़ एवं तुलसी का पौधा होता है। इस चित्र में भी एक वृक्ष है जिसके सामने खड़े होकर एक महिला पूजा कर रही है। एक बच्चा पूजा के लिए जाती हुई महिला से भिक्षा माँग रहा है उसके एक हाथ में पात्र है और उसने दूसरा हाथ भिक्षा के लिए फैला रखा है। सीढ़ियों के पास एक बच्चा बैठा हैए जो कि अपाहिज है। वह मंदिर में आने वाले भक्तों से दया की भीख चाहता है।	1 2 1 1 5 5
12	**(i)** **(ii)**	• दूरदर्शन के पर्दे के पीछे छिपे सत्य का बताने का सफल प्रयास। • दूरदर्शन के कार्यक्रम संचालकों के करुणा के मुखौटे के पीछे छिपी क्रूरता को उजागर करना। • सामाजिक उद्‌देश्य से युक्त कार्यक्रम के नाम पर दुर्बल , लाचार व अपाहिज व्यक्ति की भावना से खिलवाड.। • संसार में प्रयास के बाद भी कोई जीवन–सत्य को नहीं जान पाया • फिर भी वह मूर्खता करता है और स्वार्थ व लालच के पीछे भागता है	3 2

13	**(i)** **(ii)**	• लोक आस्था व विज्ञान के द्वंद्व का चित्रण • पाखण्ड व अंधविश्वास का विरोध • जीवन में जल की महत्ता व उसके दुरुपयोग का तार्किक विरोध • समय के साथ परिवर्तित होती वैचारिक भिन्नता • यह मानव की रुचि पर आधारित नहीं है। • इसमें व्यक्ति की क्षमता की उपेक्षा की जाती है। • जन्म लेने से पहले उसका कार्य निर्धारित कर देना अनुचित है।	3 2
14	**(i)** **(ii)**	• वसंत पाटिल लेखक का होनहार दोस्त होना। • गणित विषय पर बहुत अच्छी पकड़ होना। • शांत व मधुर स्वभाव का धनी होना। • अध्यापक का प्रिय विद्यार्थी व कक्षा का मॉनिटर होने से सम्मान आदि गुणों के कारण। • काला पड़ गया गेहूँ , ताँबे व काँसे के बर्तन, चौपड़ की गोटियां , दीये , माप तौल के पत्थर , मिट्टी के कंगन , बैलगाड़ी व अन्य खिलौने , दो पाटन की चक्की व मुहरें आदि।	3 2
15	**(i)** **(ii)**	यमक अलंकार – जहाँ किसी शब्द का एकाधिक बार भिन्न–भिन्न अर्थों में प्रयोग हो । जैसे– काली घटा का घमण्ड घटा। विसर्ग संधि – विसर्ग के बाद स्वर या व्यंजन का विकार सहित मेल विसग संधि। जैसे – नीरोग = निः + रोग।	3 2
16	**(i)** **(ii)**	• 1932 से 1935 तक गाजियाबाद के प्यारे लाल कन्या स्कूल में शिक्षिका। • 1940 में लखनऊ में पहला माण्टेसरी स्कूल खाललना। • अड्यार माण्टेसरी में प्रशिक्षण प्राप्त करके अपने आपको शिक्षा के क्षेत्र में तैयार होकर भारतियों को अधिाधिक शिक्षित करना। • सेवानिवृति के बाद भी शिक्षा से जुड़े रहना। • ऋषि–मुनियों एवं महापुरुषों की भूमि है। • त्यागी , तपस्वी , धैर्यवान व वीर योद्धाओं की भूमि।	3 2